J. C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad

(formerly YMCA University of Science and Technology)

A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009

SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006

Ph. 129-2310127 | email:proymcaust@gmail.com | web: www.jcboseust.ac.in

GOLDEN JUBILEE YEAR (1969-2019)

NEWS CLIPPING:11.12.2021

THE TRIBUNE

RESEARCH GRANT SANCTIONED

Faridabad: Four faculty members of JC Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad, will receive a grant of Rs 67 lakh from the Haryana State Council for Science, Innovation and Technology under the Department of Science and Technology, Haryana, for research and development projects. The amount between Rs 14 lakh to 18 lakh will be given to each of them to undertake research in the next three years. The selected faculty include Dr Sanjeev Goyal, associate professor of mechanical engineering for the project titled, 'Design and fabrication of manually operated agriculture waste briquetting machine: A business model for self help groups', Dr Ravi Kumar, associate professor of chemistry for the project titled, 'Oxidative catalysis and synthesis of Covid-19 drug candidates/precursors using iodine incorporated metal-organic framework' and Dr Anurag Gaur, associate professor of physics for the project titled, 'Development of paani ki battery to produce green energy for sustainable growth of rural areas'.

The Tribune Sat, 11 December 2021 https://epaper.tribun

NEWS CLIPPING:11.12.2021

AMAR UJALA

चार शिक्षकों की शोध परियोजनाएं अनुदान के लिए स्वीकृत की गईं

अमर उजाला ब्यूरो

फरीदाबाद। जेसी बोस विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय वाईएमसीए के चार संकाय सदस्यों का चयन हरियाणा राज्य विज्ञान, नवाचार और प्रौद्योगिकी परिषद द्वारा अनुसंधान अनुदान के लिए किया गया है।

कुलपति राज नेहरू और कुलसचिव डॉ. एसके गर्ग ने सदस्यों को उनके शोध अनुदान के लिए चयन पर बधाई दी है। संकाय सदस्यों को अनुसंधान और विकास परियोजनाओं के लिए अगले तीन वर्षों में 14 से 18 लाख रुपये तक की अनुदान राशि प्रदान की जायेगी। इसमें मेकेनिकल इंजीनियरिंग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. संजीव गोयल को स्वयं सहायता समूहों के लिए एक व्यवसाय मॉडल के रूप में उनकी शोध परियोजना हाथों से संचालित होने वाली कृषि अपशिष्ट ब्रिकेटिंग मशीन के डिजाइन और निर्माण के लिए 14 लाख रुपये अनुदान मिला है। केमिस्ट्री के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. रवि

डॉ. संजीव, डॉ. रवि, डॉ. अनुराग और डॉ. राशि

कुमार को धातु कार्बनिक में शामिल आयोडीन का उपयोग करके कोविड-19 ड्रग के संश्लेषण पर 18 लाख, फिजिक्स के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. अनुराग गौड़ को ग्रामीण क्षेत्रों के सतत विकास के लिए ऊर्जा के रूप में पानी की बैटरी विकसित करने की परियोजना के लिए 17 लाख रुपये और फिजिक्स की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. राशि गुप्ता को यांत्रिक कंपन से सीधे ऊर्जा ग्रहण करने वाले सतत स्वचालित उपकरणों की रचना एवं हरित ऊर्जा उत्पादन पर केंद्रित परियोजना के लिए 18 लाख रुपये की अनुदान स्वीकृत हुआ है।

NEWS CLIPPING:11.12.2021

AAJ SAMAJ

सफलता **हरियाणा राज्य विज्ञान, नवाचार और प्रौद्योगिकी परिषद ने स्वीकृत किया अनुदान**

जेसी बोस विवि के चार शिक्षकों की शोध परियोजनाएं अनुदान के लिए स्वीकृत

आज समाज नेटवर्क

फरीदाबाद। जेसी बोस विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद के चार संकाय सदस्यों का चयन हरियाणा राज्य विज्ञान, नवाचार और प्रौद्योगिकी परिषद द्वारा अनुसंधान अनुदान के लिए किया गया है तथा उनकी अनुसंधान और विकास (आरएंडडी) परियोजनाओं के लिए 67 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की है। हरियाणा विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के अंतर्गत संचालित परिषद् प्रदेश में विज्ञान, नवाचार और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अनुसंधान को प्रोत्साहन के लिए वैज्ञानिकों एवं शोधकताओं से अनुदान हेतु आवेदन आमंत्रित करती है जिसका उद्देश्य युवा वैज्ञानिकों और शोधकताओं के ऐसे नवीन अनुसंधान कार्यों को प्रोत्साहित देना है जोकि प्रदेश के सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए प्रासंगिकता रखते हो।

डॉ. संजीव गोयल

डॉ. रवि कुमार

डॉ. अनुराग गौड़

डॉ. राशि गुप्ता।

कुलपति राज नेहरू ने संकाय सदस्यों को उनके शोध अनुदान के लिए चयन पर बधाई दी है और कहा है कि अनुदान निश्चित रूप से विश्वविद्यालय में अनुसंधान गतिविधियों को बढ़ावा देगा और प्रदेश की सामाजिक-आर्थिक समस्याओं को तकनीकी समाधान प्रदान करने में मददगार होगा।

कुलसचिव डॉ एसके गर्ग ने भी चयनित संकाय सदस्यों को बधाई दी है। अनुदान के लिए चयनित संकाय सदस्यों को उनकी अनुसंधान और विकास परियोजनाओं के लिए अगले तीन वर्षों में 14 से 18 लाख रुपये तक की अनुदान राशि प्रदान की जायेगी। जिन संकाय सदस्यों को अनुदान के लिए चुना गया है, उनमें मैकेनिकल इंजीनियरिंग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ संजीव गोयल को स्वयं सहायता समूहों के लिए एक व्यवसाय मॉडल के रूप में उनकी शोध परियोजना हाथों से संचालित होने वाली कृषि अपशिष्ट ब्रिकेटिंग मशीन के डिजाइन और निर्माण के लिए 14 लाख रुपये अनुदान मिला है।

इसी प्रकार, कैमिस्ट्री के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ रवि कुमार को धातु कार्बनिक में शामिल आयोडीन का उपयोग करके कोविड-19 ड्रग के संश्लेषण पर उनकी परियोजना के लिए 18 लाख रुपये, फिजिक्स के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ अनुराग गौड को ग्रामीण क्षेत्रों के सतत विकास के लिए ऊर्जा के रूप में पानी की बैटरी विकसित करने की परियोजना के लिए 17 लाख रुपये तथा फिजिक्स की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. राशि गुप्ता को यांत्रिक कंपन से सीधे ऊर्जा ग्रहण करने वाले सतत स्व-चालित उपकरणों की रचना एवं हरित ऊर्जा उत्पादन पर केन्द्रित उनकी परियोजना के लिए 18 लाख रुपये की अनुदाश स्वीकृत हुई है।

NEWS CLIPPING:11.12.2021

HADOTI ADHIKAR

जे.सी. बोस विश्वविद्यालय के चार शिक्षकों की शोध परियोजनाएं अनुदान के लिए स्वीकृत

– हरित ऊर्जा उत्पादन एवं सतत समाधानों पर आधारित है परियोजनाएं

अधिकार संवाददाता

फरीदाबाद, 10 दिसम्बर। जे.सी. बोस विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए के चार संकाय सदस्यों का चयन हरियाणा राज्य विज्ञान, नवाचार और प्रौद्योगिकी परिषद द्वारा अनुसंधान अनुदान के लिए किया गया है तथा उनकी अनुसंधान और विकास (आरएंडडी) परियोजनाओं के लिए 67 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की है। हरियाणा विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के अंतर्गत संचालित परिषद् प्रदेश में विज्ञान, नवाचार और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अनुसंधान को प्रोत्साहन के लिए वैज्ञानिकों एवं शोधकर्ताओं से अनुदान हेतु आवेदन आमंत्रित करती है जिसका उद्देश्य युवा वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं के ऐसे नवीन अनुसंधान कार्यों को प्रोत्साहित देना है जोकि प्रदेश के सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए प्रासंगिकता रखते हो।

कुलपति राज नेहरू ने संकाय सदस्यों को उनके शोध अनुदान के लिए चयन पर बधाई दी है और कहा

है कि अनुदान निश्चित रूप से विश्वविद्यालय में अनुसंधान गतिविधियों को बढ़ावा देगा और प्रदेश की सामाजिक-आर्थिक समस्याओं को तकनीकी समाधान प्रदान करने में मददगार होगा। कुलसचिव डॉ. एस.के. गर्ग ने भी चयनित संकाय सदस्यों को बधाई दी है। अनुदान के लिए चयनित संकाय सदस्यों को उनकी अनुसंधान और विकास परियोजनाओं के लिए अगले तीन वर्षों में 14 से 18 लाख रुपये तक की अनुदान राशि प्रदान की जायेगी।

– मैकेनिकल से डॉ संजीव गोयल, कैमिस्ट्री से डॉ रवि कुमार, फिजिक्स से डॉ अनुराग गौड एवं डॉ राशि गुप्ता की शोध परियोजनाओं को मिला अनुदान

जिन संकाय सदस्यों को अनुदान के लिए चुना गया है, उनमें मैकेनिकल इंजीनियरिंग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. संजीव गोयल को स्वयं सहायता समूहों के लिए एक व्यवसाय मॉडल के रूप में उनकी शोध परियोजना हाथों से संचालित होने वाली कृषि अपशिष्ट ब्रिकेटिंग मशीन के डिजाइन और निर्माण के लिए 14 लाख रुपये अनुदान मिला है। इसी प्रकार, कैमिस्ट्री के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ रवि कुमार को धातु कार्बनिक में शामिल आयोडीन का उपयोग करके कोविड-19 ड्रग के संश्लेषण पर उनकी परियोजना के लिए 18 लाख रुपये, फिजिक्स के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ अनुराग गौड को ग्रामीण क्षेत्रों के सतत विकास के लिए ऊर्जा के रूप में पानी की बैटरी विकसित करने की परियोजना के लिए 17 लाख रुपये तथा फिजिक्स की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. राशि गुप्ता को यांत्रिक कंपन से सीधे ऊर्जा ग्रहण करने वाले सतत स्व-चालित उपकरणों की रचना एवं हरित ऊर्जा उत्पादन पर केन्द्रित उनकी परियोजना के लिए 18 लाख रुपये की अनुदाश स्वीकृत हुई है।

NEWS CLIPPING:11.12.2021

PUNJAB KESARI

जेसी बोस वि.वि के 4 शिक्षकों की शोध परियोजनाएं अनुदान के लिए स्वीकृत

- हरित ऊर्जा उत्पादन एवं सतत समाधानों पर आधारित है परियोजनाएं
- मैकेनिकल से डॉ. संजीव गोयल, कैमिस्ट्री से डॉ. रवि कुमार, फिजिक्स से डॉ. अनुराग गौड एवं डॉ. राशि गुप्ता की शोध परियोजनाओं को मिला अनुदान

डा. राशि

डा. संजीव

डा. रवि

डा. अनुराग

फरीदाबाद, 10 दिसम्बर (पूजा शर्मा): जे.सी. बोस विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद के चार संकाय सदस्यों का चयन हरियाणा राज्य विज्ञान, नवाचार और प्रौद्योगिकी परिषद द्वारा अनुसंधान अनुदान के लिए किया गया है तथा उनकी अनुसंधान और विकास (आरएंडडी) परियोजनाओं के लिए 67 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की है। हरियाणा विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के अंतर्गत संचालित परिषद् प्रदेश में विज्ञान, नवाचार और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अनुसंधान को प्रोत्साहन के लिए वैज्ञानिकों एवं शोधकर्ताओं से अनुदान के लिए आवेदन आमंत्रित करती है जिसका उद्देश्य युवा वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं के ऐसे नवीन अनुसंधान कार्यों को प्रोत्साहित देना है जोकि प्रदेश के सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए प्रासंगिकता रखते हो। कुलपति राज नेहरू ने संकाय सदस्यों को उनके शोध अनुदान के लिए चयन पर बधाई दी है और कहा है कि अनुदान निश्चित रूप से विश्वविद्यालय में अनुसंधान गतिविधियों को बढ़ावा देगा और प्रदेश की सामाजिक-आर्थिक समस्याओं को तकनीकी समाधान प्रदान करने में मददगार होगा। कुलसचिव डॉ. एस.के. गर्ग ने भी चयनित संकाय सदस्यों को बधाई दी है। अनुदान के लिए चयनित संकाय सदस्यों को उनकी अनुसंधान और विकास परियोजनाओं के लिए अगले तीन वर्षों में 14 से 18 लाख रुपये तक की अनुदान राशि प्रदान की जायेगी।

हरियाणा राज्य विज्ञान, नवाचार और प्रौद्योगिकी परिषद ने स्वीकृत किया अनुदान

जिन संकाय सदस्यों को अनुदान के लिए चुना गया है, उनमें मैकेनिकल इंजीनियरिंग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. संजीव गोयल को स्वयं सहायता समूहों के लिए एक व्यवसाय मॉडल के रूप में उनकी शोध परियोजना हाथों से संचालित होने वाली कृषि अपशिष्ट ब्रिकेटिंग मशीन के डिजाइन और निर्माण के लिए 14 लाख रुपये अनुदान मिला है। इसी प्रकार, कैमिस्ट्री के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ रवि कुमार को धातु कार्बनिक में शामिल आयोडीन का उपयोग करके कोविड-19 ड्रग के संश्लेषण पर उनकी परियोजना के लिए 18 लाख रुपये, फिजिक्स के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ अनुराग गौड को ग्रामीण क्षेत्रों के सतत विकास के लिए ऊर्जा के रूप में पानी की बैटरी विकसित करने की परियोजना के लिए 17 लाख रुपये तथा फिजिक्स की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. राशि गुप्ता को यांत्रिक कंपन से सीधे ऊर्जा ग्रहण करने वाले सतत स्व-चालित उपकरणों की रचना एवं हरित ऊर्जा उत्पादन पर केन्द्रित उनकी परियोजना के लिए 18 लाख रुपये की अनुदाश स्वीकृत हुई है।

NEWS CLIPPING:11.12.2021

PIONEER

चार शिक्षकों की शोध के लिए अनुदान स्वीकृत

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

जेसी बोस विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद के चार संकाय सदस्यों का चयन हरियाणा राज्य विज्ञान, नवाचार और प्रौद्योगिकी परिषद द्वारा अनुसंधान अनुदान के लिए किया गया है। उनकी अनुसंधान और विकास (आरएंडडी) परियोजनाओं के लिए 67 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की है।

हरियाणा विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के अंतर्गत संचालित परिषद प्रदेश में विज्ञान, नवाचार और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अनुसंधान को प्रोत्साहन के लिए वैज्ञानिकों एवं शोधकर्ताओं से अनुदान के लिए आवेदन आमंत्रित

जेसी बोस

करती है जिसका उद्देश्य युवा वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं के ऐसे नवीन अनुसंधान कार्यों को प्रोत्साहित देना है जोकि प्रदेश के सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए प्रासंगिकता रखते हों।

कुलपति राज नेहरू ने संकाय सदस्यों को उनके शोध अनुदान के लिए चयन पर बधाई दी है और कहा है कि अनुदान निश्चित रूप से विश्वविद्यालय में अनुसंधान गतिविधियों को बढ़ावा देगा और प्रदेश की सामाजिक-आर्थिक समस्याओं को तकनीकी समाधान प्रदान करने में मददगार होगा। कुलसचिव डॉ. एसके गर्ग ने भी चयनित संकाय सदस्यों को बधाई दी है। अनुदान के लिए चयनित संकाय सदस्यों को उनकी अनुसंधान और विकास परियोजनाओं के लिए अगले तीन वर्षों में 14 से 18 लाख रुपये तक की अनुदान राशि प्रदान की जाएगी।

जिन संकाय सदस्यों को अनुदान के लिए चुना गया है, उनमें मैकेनिकल इंजीनियरिंग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. संजीव गोयल को स्वयं सहायता समूहों के लिए एक व्यवसाय मॉडल के रूप में उनकी शोध परियोजना हाथों से संचालित होने वाली कृषि अपशिष्ट ब्रिकेटिंग मशीन के डिजाइन और निर्माण के लिए 14 लाख रुपये अनुदान मिला है। इसी प्रकार, कैमिस्ट्री के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ रवि कुमार को धातु कार्बनिक में शामिल आयोडीन का उपयोग करके कोविड-19 ड्रग के संश्लेषण पर उनकी परियोजना के लिए 18 लाख रुपये, फिजिक्स के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. अनुराग गौड को ग्रामीण क्षेत्रों के सतत विकास के लिए ऊर्जा के रूप में पानी की बैटरी विकसित करने की परियोजना के लिए 17 लाख रुपये और फिजिक्स की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. राशि गुप्ता को यांत्रिक कंपन से सीधे ऊर्जा ग्रहण करने वाले सतत स्व-चालित उपकरणों की रचना एवं हरित ऊर्जा उत्पादन पर केंद्रित उनकी परियोजना के लिए 18 लाख रुपये की अनुदाश स्वीकृत हुई हैं।

NEWS CLIPPING:11.12.2021

HINDUSTAN

'दूसरों के अधिकारों का सम्मान करना भी जरूरी'

फरीदाबाद | कार्यालय संवाददाता

अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस के उपलक्ष्य में जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद ने शुक्रवार को भाषण, कविता पाठ, पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता, नुक्कड़-नाटक, जागरुकता रैली और विशेषज्ञ व्याख्यान सहित विभिन्न जागरुकता कार्यक्रमों का आयोजन किया। इन आयोजनों में छात्रों की भागीदारी उत्साहजनक रही। इस मौके पर कुलसचिव डॉ. एसके गर्ग ने छात्रों से कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को न केवल अपने अधिकारों के प्रति सचेत रहना चाहिए, बल्कि दूसरों के अधिकारों की भी रक्षा और सम्मान भी करना चाहिए।

बता दें कि लोगों के सामाजिक, सांस्कृतिक और मानवीय अधिकारों को लेकर जागरूकता लाने के दृष्टिगत प्रतिवर्ष 10 दिसंबर को अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस मनाया जाता है। इस वर्ष आयोजन का विषय मानवाधिकारों को बढ़ावा देने के लिए समानता को प्रोत्साहन देकर असमानताओं को कम करने पर केन्द्रित है। मानव अधिकारों से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर लोगों को जागरूक करने के लिए विश्वविद्यालय के कम्युनिकेशन एवं मीडिया टेक्नोलॉजी विभाग ने एक पोस्टर प्रदर्शनी का आयोजन किया, जिसका उद्घाटन कुलसचिव डॉ. एस. के. गर्ग ने किया।

इस अवसर पर विभाग के अध्यक्ष प्रो. अतुल मिश्रा, डॉ. पवन कुमार मलिक, प्रो. संदीप ग्रोवर, प्रो. कोमल कुमार भाटिया और विश्वविद्यालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। डॉ. गर्ग ने कहा कि यह प्रशंसनीय है कि छात्रों के हित में कम्युनिकेशन एवं मीडिया टेक्नोलॉजी विभाग समय-समय पर इस तरह के आयोजन करता रहा है। उन्होंने कार्यक्रम की सफलता के लिए विभाग को बधाई दी और इसके साथ ही छात्रों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

NEWS CLIPPING:11.12.2021

HINDUSTAN

शोध परियोजनाओं के लिए 67 लाख अनुदान स्वीकृत

फरीदाबाद | कार्यालय संवाददाता

जेसी बोस विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद के चार संकाय सदस्यों का चयन हरियाणा राज्य विज्ञान, नवाचार और प्रौद्योगिकी परिषद ने अनुसंधान अनुदान के लिए किया। उनकी अनुसंधान और विकास (आरएंडडी) परियोजनाओं के लिए 67 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई है।

हरियाणा विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के अंतर्गत संचालित परिषद् प्रदेश में विज्ञान, नवाचार और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अनुसंधान को प्रोत्साहन के लिए वैज्ञानिकों एवं शोधकर्ताओं से अनुदान के लिए आवेदन आमंत्रित करती है। इसका उद्देश्य युवा वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं के ऐसे नवीन अनुसंधान कार्यों को प्रोत्साहित देना है जो प्रदेश के सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए प्रासंगिकता रखते हों।

कुलपति राज नेहरू ने संकाय सदस्यों को उनके शोध अनुदान के लिए चयन पर बधाई दी है और कहाकि अनुदान निश्चित रूप से विश्वविद्यालय में अनुसंधान गतिविधियों को बढ़ावा देगा और प्रदेश की सामाजिक-आर्थिक समस्याओं को तकनीकी समाधान प्रदान करने में मददगार होगा। कुलसचिव डॉ. एसके गर्ग ने भी चयनित संकाय सदस्यों को बधाई दी है। अनुदान के लिए चयनित संकाय सदस्यों को उनकी अनुसंधान और विकास परियोजनाओं के लिए अगले तीन वर्षों में 14 से 18 लाख रुपये तक की अनुदान राशि प्रदान की जाएगी।

GOLDEN JUBILEE YEAR
(1969-2019)

NEWS CLIPPING:11.12.2021

NAVBHARAT TIMES

रिसर्च ग्रांट के लिए 4 लोगों का चयन

एनबीटी न्यूज, फरीदाबाद : जेसी बोस विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए के 4 संकाय सदस्यों का चयन हरियाणा राज्य विज्ञान, नवाचार और प्रौद्योगिकी परिषद द्वारा रिसर्च ग्रांट के लिए किया गया है। साथ ही अनुसंधान और विकास परियोजनाओं के लिए 67 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। चयनित संकाय सदस्यों को उनकी अनुसंधान और विकास परियोजनाओं के लिए अगले तीन वर्ष में 14 से 18 लाख रुपये तक की अनुदान राशि दी जाएगी।